बर्षः- 05
अंकः- 304
मुरादाबाद
(Thursday)
26 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

एयरपोर्ट पर नेतन्याहू ने अपनी पत्नी और पीएम मोदी की ड्रेस की तरफ किया इशारा, तीनों ने लगाए ठहाके

इस्राइल दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू और सारा नेतन्याहू ने बेन गुरियन हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा और पीएम मोदी के कपड़ों के रंगों की ओर इशारा किया, जिसके बाद पीएम मोदी ने जवाब दिया। जिस पर तीनों ठहाके लगाते नजर आए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय दो दिन के इस्राइल दौरे पर हैं। इस्राइल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस्राइली

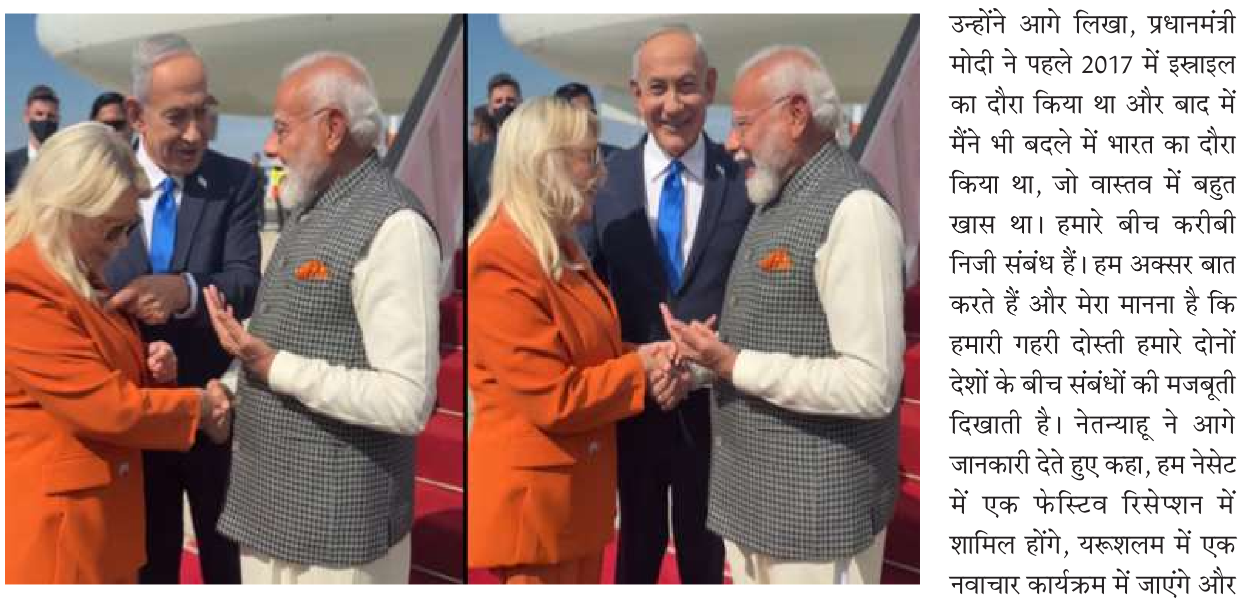

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू खुद उनका स्वागत करने पहुंचे थे। उनकी मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही विमान से नीचे उतरे और उनके समकक्ष नेतन्याहू ने हाथ जोड़कर और गले मिलकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उसी समय सारा नेतन्याहू भी वहां पर मौजूद थीं। उन्होंने भी पीएम से हाथ मिलाया। तभी नेतन्याहू ने पीएम मोदी के पॉकेट स्क्वायर के रंग और पत्नी सारा की ड्रेस के रंग की ओर इशारा किया। इस पर पीएम मोदी ने कहा- हां, हां...भगवा (यस, यस...सेफ्रॉन)। इस पर तीनों ठहाके लगाकर हंसने लगे। पीएम मोदी के दौरे पर नेतन्याहू ने क्या कहा?- इसी बीच, इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मेरी पत्नी सारा और मैंने आज अपने अच्छे मित्र, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया, जो इस्राइल के ऐतिहासिक दौरे पर आए हैं। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले 2017 में इस्राइल का दौरा किया था और बाद में मैंने भी बदले में भारत का दौरा किया था, जो वास्तव में बहुत खास था। हमारे बीच करीबी निजी संबंध हैं। हम अक्सर बात करते हैं और मेरा मानना है कि हमारी गहरी दोस्ती हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों की मजबूती दिखाती है। नेतन्याहू ने आगे जानकारी देते हुए कहा, हम नेसेट में एक फेस्टिव रिसेप्शन में शामिल होंगे, यरूशलम में एक नवाचार कार्यक्रम में जाएंगे और प्रधानमंत्री मोदी को एक रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। कल हम याद वाशेम जाएंगे और उसके बाद अपनी टीमों के साथ एक और बैठक करेंगे, जिस दौरान हम आर्थिक, सुरक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे जो इस्राइल और भारत के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाएंगे।

नरेश टिकैत बोले- चौधरी जयंत हमारे परिवार के सदस्य, तीन पीढ़ियों से हम साथ, ट्रेड डील पर कह दी बात

भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत बुधवार को दोघट पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि ततैये वाला बयान चौधरी जयंत को सिर्फ समझाने के लिए दिया था। इसे बेवजह उछालकर राजनीति की गई। अमेरिका से व्यापार समझौते को प्रधानमंत्री को निरस्त करना चाहिए। दोघट में भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि हमारा परिवार चौधरी जयंत सिंह के परिवार के साथ तीन पीढ़ियों से हैं। चौधरी जयंत हमारे परिवार के सदस्य हैं। मैने बयान सिर्फ जयंत को समझाने के लिए दिया था, लेकिन इसे राजनीतिक बना दिया गया है।नरेश टिकैत बुधवार को दोघट कस्बे में राजेंद्र चौधरी के आवास पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के साथ मिलकर बाबा महेंद्र सिंह टिकैत ने संघर्ष किया और फिर पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह का हर जगह साथ दिया। अब केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह के साथ खड़े हैं। कहा कि मेरा हलवाई के ततैये वाला बयान सिर्फ चौधरी जयंत को समझाने के उद्देश्य से दिया गया था। मेरे बयान को विवादित बना दिया गया, जबकि मेरा मकसद सिर्फ संवाद और समझाना था। हमें यह सब भूलकर किसानों के हित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का अमेरिका से हुआ व्यापार समझौता किसानों के लिए नुकसान वाला साबित होगा। यदि अमेरिका की कंपनी देश में आती है तो किसानों के लिए खतरनाक साबित होगा। उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ किसी भी तरह का समझौता करने से पहले किसानों की राय जरूर ली जाए। इस समझौते के खिलाफ भाकियू किसानों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासत और तेज होने के आसार है।जिपं चुनाव में निर्विरोध प्रत्याशी को चुनें नरेश टिकैत ने कहा कि जिला पंचायत चुनाव निष्पक्ष होना चाहिए और निर्विरोध प्रत्याशी को चुनना चाहिए। इससे चुनाव में झगड़े भी कम होंगे और फिजूलखर्ची पर रोक लगेगी। इस चुनाव में भाकियू हिस्सा नहीं लेगी। जिस प्रत्याशी के साथ कम वोट है, वह चुनाव न लड़े, दूसरे को समर्थन दें। कहा कि चीनी मिलों को 14 दिन में किसानों का गन्ना भुगतान करना चाहिए और आंदोलन करने वाले किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस होने चाहिए।नरेश टिकैत ने केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह पर कटाक्ष करते हुए हलवाई और ततैया का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा था कि चौधरी जयंत सिंह सरकार में हैं, इसलिए उन्हें सरकार के पक्ष में ही बोलना पड़ता है। जैसे हलवाई की दुकान पर बैठा ततैया हलवाई को नहीं काटता, बल्कि मिठाई पर बैठा रहता है और हलवाई उसे हटाता रहता है, उसी तरह जयंत सिंह भी सरकार के खिलाफ कुछ नहीं कह सकते। रालोद के प्रमुख जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट करते हुए जवाब दिया कि %जो हलवाई और ततैये का किस्सा सुना रहे हैं, उन्हें मैं बता दूं कि मुझे मीठे का कोई शौक नहीं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक को बताया सच्चा देशभक्त, कहा- नफरत के खिलाफ खड़े होकर पेश की नई मिसाल

कोटद्वार में मुस्लिम दुकानदार के समर्थन में खड़े हुए जिम संचालक दीपक कुमार को राहुल गांधी ने सच्चा देशभक्त बताया है। मोहम्मद दीपक के नाम से चर्चित दीपक ने बजरंग दल के प्रदर्शन का विरोध किया था। मामले में तीन एफआईआर दर्ज हैं। विवाद के बाद उनका कारोबार प्रभावित हुआ है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के कोटद्वार के जिम संचालक दीपक कुमार की सराहना करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया है। राहुल ने कहा कि दीपक ने नफरत के खिलाफ डटकर कमजोर की रक्षा की और इससे बड़ी देशभक्ति कोई नहीं हो सकती। दीपक उस समय चर्चा में आए जब उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का विरोध किया, जो कथित तौर पर एक मुस्लिम दुकानदार को परेशान कर रहे थे।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर दीपक कुमार और उनके मित्र विजय रावत के साथ मुलाकात का वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा कि देश में करोड़ों लोगों के दिल में प्रेम और सौहार्द की भावना है, लेकिन मन में डर भी है। दीपक ने अपने साहस से लोगों को रास्ता दिखाया है। जो लोग नफरत फैलाते हैं और समाज को डराते हैं, वे कायर हैं। उनसे डरने की जरूरत नहीं है। राहुल ने कहा कि दीपक ने तिरंगे और संविधान की रक्षा की है।यह घटना 26 जनवरी की है। कोटद्वार के पटेल मार्ग पर स्थित 'बाबा' नाम की कपड़ों की दुकान के बाहर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव, 11 हजार करोड़ के एमओयू पर हुए साइन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन निवेश के कई बड़े प्रस्तावों पर एमओयू साइन हुए हैं। जापान की कंपनियों ने यूपी में निवेश की उत्सुकता दिखाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं।

इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है। एस्कॉर्ट्स कुबोता लिमिटेड के साथ सहयोग के माध्यम से कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार और फार्म मैकेनाइजेशन क्षेत्र में उपस्थिति को मजबूत कर रही है।मिंडा कारपोरेशन, जो स्पार्क मिंडा समूह का हिस्सा है, ऑटोमोटिव कंपोनेंट निर्माण में अग्रणी भारतीय कंपनी है। यह मैक्ट्रॉनिक्स, वायरिंग हार्नेस, प्लास्टिक इंटीरियर, सेंसर और ईवी समाधान उपलब्ध कराती है। जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जिसे जेएई के नाम से जाना जाता है, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस सेक्टर के लिए एडवांस कनेक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस समाधान में विशेषज्ञता रखती है। नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, एक विविधीकृत जापानी ट्रेडिंग और टेक्नोलॉजी कंपनी है जो केमिकल्स, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सक्रिय है। इन कंपनियों के बीच सहयोग से ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

सीको एडवांस जापान मूल की कंपनी है जो उच्च प्रदर्शन स्क्रीन प्रिंटिंग इंक और कोटिंग सॉल्यूशंस के लिए जानी जाती है। इसके उत्पाद ऑटोमोटिव डीकल्स, इंडस्ट्रियल ग्राफिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स पैनल, ग्लास प्रिंटिंग और कंज्यूमर अप्लायंसेज में उपयोग होते हैं। कंपनी भारत में अपनी विनिर्माण इकाई के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को आपूर्ति कर रही है। इसके अतिरिक्त ओ एंड ओ ने हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश को लेकर समझौता किया। पहले दिन हुए इन समझौतों को भारत और जापान के बीच औद्योगिक सहयोग को नई गति देने वाला कदम माना जा रहा है।

राधा रानी के दर्शन को बेकाबू हुई भीड़, एक दर्जन श्रद्धालु दबे;बरसाना की लठामार होली में टला बड़ा हादसा

लठामार होली पर मथुरा के बरसाना में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस के भी पसीने छूट गए। इस दौरान एक बार बेकाबू हुई भीड़ में कई श्रद्धालु दब गए। बड़ा हादसा होते-होते बच गया।मथुरा के बरसाना में रंगोत्सव पर रंगीली गली में बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल भी श्रद्धालुओं की

भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाया। श्रद्धालुओं की इस कदर भीड़ थी, जिसमें करीब एक दर्जन की संख्या में लोग दब गए। रंगीली गली की सुरक्षा में लगी पुलिस ने दोपहर को मंदिर बंद होने के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को रोक दिया। इसी दौरान नंदगांव से आए हुरियारों ने राधा रानी के दर्शन किए। हुरियारों को राधा रानी के मंदिर में दर्शन करने में थोड़ा समय लग गया। मंदिर की ओर बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को रंगीली गली में रोक लिया गया। रोकी गई भीड़ को धीरे-धीरे पुलिस निकालने का प्रबंध कर रही थी। इसी बीच पीछे से आए धक्के के कारण कुछ लोग दब गए। बमुश्किल पुलिस ने गिरे हुए श्रद्धालुओं को उठाया और उन्हें आराम से एक तरफ बैठाया। श्रद्धालुओं की भीड़ में जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह और एसपी श्लोक कुमार भी साथ-साथ चलते दिखाई दिए।

प्रियंका बोलीं- युवा कांग्रेस सदस्यों की गिरफ्तारी शर्मनाक, देशहित से समझौते कर रही सरकार

प्रियंका गांधी वाड्रा ने एआई समिट में विरोध प्रदर्शन के बाद यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को निंदनीय और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि सरकार पर सवाल उठाना जनता के हित में है, जबकि कांग्रेस ने पुलिस कार्रवाई को लोकतांत्रिक आवाज दबाने की कोशिश बताया।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने युवा कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है।

उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाने वाले युवा कांग्रेस सदस्यों पर की गई कार्रवाई अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है।सरकार के खिलाफ आवाज उठाना 1.4 अरब भारतीयों के हित में

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण और अहिंसक प्रतिरोध भारत की गौरवशाली परंपरा रही है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से विरासत में मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक दबाव के आगे झुककर सरकार ने देश के हितों से समझौता किया है और प्रधानमंत्री व सरकार के खिलाफ आवाज उठाना 1.4 अरब भारतीयों के हित में है।उनकी यह टिप्पणी उस समय आई है, जब दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को मुख्य साजिशकर्ता और मास्टरमाइंड बताते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने पहले हिरासत में लिए गए सात अन्य यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भी दंगा समेत अतिरिक्त धाराएं जोड़ी हैं। बताया गया कि पिछले सप्ताह एआई समिट के दौरान हॉल नंबर 5 में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शर्ट उतारकर सरकार और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ लिखे स्लोगन वाली टी-शर्ट दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें तुरंत वहां से हटा दिया। कांग्रेस ने चिब और अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। वहीं पार्टी सांसद राहुल गांधी ने इस कार्रवाई को तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का परिचायक बताते हुए सरकार पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाया है।

संपादकीय Editorial

Shankaracharya vs. Sadhu

An FIR has been filed against Shankaracharya Swami Avimukteshwarananda Saraswati of the Tish Peetha. The allegations are obscene, alleging that he and his disciple sexually abused two minor disciples. The alleged sadhu, Ashutosh Brahmachari, who filed the complaint in court, is also said to be a disciple of another monk, the so-called Jagadguru Rambhadracharya. The statements of the minor abused have been recorded before the judge in court under Section 164. The special POCSO court has registered an FIR and ordered an investigation. Since the case is a POCSO case, it is extremely sensitive. Can Shankaracharya be sent to jail? If this happens, it would be a major religious shock, because Shankaracharya is not just an individual but the pinnacle of Sanatan Dharma, one of the highest religious leaders. The saint, who has countless devotees, whom Uttar Pradesh Deputy Chief Minister Keshav Prasad Maurya worships as "God," and another Deputy Chief Minister Brajesh Pathak, who calls pulling the tufts of the disciples of the Shankaracharya a "great sin" and honors them at his residence, has been questioned by Chief Minister Yogi Adityanath over his status as Shankaracharya. It's surprising what's happening in Uttar Pradesh? Why is this very Sanatan Purusha (a saint) being slammed in the BJP government, a staunch supporter and advocate of Hindutva and Sanatan Dharma? Why is the Shankaracharya, whose designation has yet to be ruled on by the Supreme Court, who is one of the top saints of Sanatan Dharma and a resemblance to Adi Shankaracharya, being labeled a perpetrator and rapist? These allegations cannot be compared to the case of Asaram Bapu, because in that case, the family of the minor girl, who was repeatedly raped, also filed complaints. She had come forward to narrate the rape story to the media. There was no shortage of people who considered Asaram a "god." Even former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee was his "devotee." Current Prime Minister Modi also had faith and devotion in him. Asaram has been in jail for many years. Recently, he was granted interim bail on health grounds. Is Shankaracharya Avimukteshwarananda also a sex offender, or has the fight for the position of Shankaracharya been reduced to sexual exploitation? Why are the country's three other Shankaracharyas, and prominent heads of monasteries, saints, Mahamandaleshwars, and entire Akharas silent? This attack is not directed at an individual, but at a Sanatan Dharma guru. It should be transparent and clear. If the allegations are false and baseless, the complainant should not be spared. The question is, where are the parents of the minor victims, and why have their statements not been released? It seems this battle is between saints like Shankaracharya and Rambhadracharya, as both are hurling mud at each other. Should such feelings of resentment, jealousy, and hatred persist even after becoming a saint or a monk? Shame on you. Sexual exploitation has been made an issue. During the Maha Kumbh, the government was rolling out the red carpet for this Shankaracharya. During the Magh Mela, disputes were created between Shankaracharya and the Uttar Pradesh administration. The accusation of sexual exploitation seems to be the result of that. In fact, the alleged Maharaja who has accused Shankaracharya of sexual misconduct has a criminal history himself. 21 cases against him are either pending in court or some have been settled.

Deepening Caste Fissures, Questions Raised on UGC's Action

The UGC's new guidelines have deepened the caste discourse, further increasing divisions within Hindu society. This situation is reminiscent of the Mandal Commission era, when society was clearly divided. The UGC's new guidelines are exacerbating caste divisions. Political parties are fueling caste discourse for electoral gain. Nehru prioritized merit and opposed reservations. In the name of bringing equality to higher education campuses, the recent guidelines issued by the University Grants Commission (UGC) have not only brought the caste discourse to the forefront of discussion, but also appear to be dividing Hindu society once again along caste lines. The caste lines, which had begun to blur over time due to economic and educational development, are now deepening again. The current situation is reminiscent of the period that arose after the implementation of the Mandal Commission report, when Hindu society was clearly divided. Today, society appears to be heading down that path again. Some parties that exploit caste politics are fueling this debate among students to gain electoral advantage. Conversely, the upper caste community is also actively mobilizing students to protect its interests. If an inclusive and acceptable solution to these UGC guidelines is not found, it will have a direct impact on future politics. This will not only affect social harmony but also jeopardize the goal of broad Hindu unity. While social, educational, and economic development has weakened the walls of caste divisions, politics has succeeded in re-emerging them. Former Prime Minister Vishwanath Pratap Singh is primarily credited with bringing the caste debate to the center of power in the name of uplifting backward castes. In 1990, he implemented the Mandal Commission report to curb the political influence of Chaudhary Devi Lal. That decision severely divided Hindu society ideologically and socially. At that time, almost all of North India was engulfed in protest against the Mandal Commission, and young people from the upper castes began to see their future as bleak. Subsequent politics, instead of bridging, has only deepened the social divide created by the Mandal Commission. Just when society was slowly accepting reservations for backward classes in government jobs, in 2006, the Manmohan Singh government also introduced reservations for backward classes in admissions to higher educational institutions. Students once again took to the streets in protest against this decision, further widening the social divide. Today, just as the country was recovering from the memories of these past conflicts, the new UGC guidelines have once again placed Indian society on the brink of a deep internal conflict and social struggle. Although this conflict is not yet publicly visible on the streets, university campuses are gripped by this ideological ferment. Currently, educational campuses appear to be divided into two distinct factions: strong supporters of the guideline, and staunch opponents. India's first Prime Minister, Pandit Jawaharlal Nehru, wrote a detailed letter to all Chief Ministers on June 27, 1961. In this letter, Nehru virtually rejected the current caste-based reservation system. He wanted to build a "knowledge-centric society" instead of reservation-based development. Nehru wrote unequivocally: "I do not like reservation in any form, especially in jobs. I am against any measure that promotes inefficiency and leads us to mediocrity." Nehru believed that if we are to make the country modern and competitive, we must prioritize merit. Ironically, if those opposing the current UGC guidelines were to repeat these words of Pandit Nehru today, they would immediately be labeled as opponents of "social justice." This fact demonstrates how much the direction of Indian politics and social discourse has changed over the past six decades. In the political discourse that emerged after the implementation of the Mandal Commission, the upper castes remained silent for a long time, fearing being labeled anti-progress. But in subsequent years, particularly the misuse of the SC/ST Act and the continued expansion of reservations, created pressure within this class. The upper caste community, which had unilaterally embraced the BJP after the Ram Mandir movement, is now stunned by this new guideline. This pressure and astonishment is now turning into anger. Opposition parties, eager for power, are fueling this discontent from behind the scenes, but are refraining from speaking openly. They fear that siding with the upper castes could alienate their "backward vote bank." The BJP government and top leaders are engaged in efforts to defuse this caste debate, but the longer they delay finding a solution, the more intense it will become. If this anger among the upper caste community is not calmed in time, the BJP could face new and difficult challenges in the upcoming elections.

The Path to an India-US Trade Agreement

It is in India's interest that its products are consumed in as many countries as possible around the world. India should explore favorable markets for its products in countries other than the US, as this is the only way to counter China's dominance in the global supply chain.

Following the postponement of potential trade talks between India and the US after the US Supreme Court declared Trump's tariff policy illegal, Finance Minister Nirmala Sitharaman's statement that it is currently difficult to comment on tariff changes makes it uncertain when a trade agreement with the US will be reached. When the US President announced a reduction of the 25 percent tariff to 18 percent and the elimination of the additional 25 percent tariff imposed on the purchase of Russian oil, and the subsequent joint statement by both countries regarding the trade agreement, it was believed that the agreement would be reached in March. Then, the possibility of an agreement being reached in April instead of March was expressed. However, after Trump, angered by the US Supreme Court's decision, announced the imposition of 10 and then 15 percent tariffs on all countries, doubts have arisen about the trade agreement. At present, it is not possible to say when an interim trade agreement will be reached with the US, nor what the tariff rates of this agreement will be. It is true that the Commerce Ministry is reviewing the changing circumstances, but much will depend on the attitude of the Trump administration, which is unlikely to remain stable. In these circumstances, it would be appropriate for India to accelerate trade agreement negotiations with other countries. Additionally, the trade agreements already reached with Britain, New Zealand, Oman, the European Union, etc. should be finalized as soon as possible. It is true that the US is a major market for India and other countries, and a trade agreement with it is in the interest of Indian businesses and the country's economy. However, India should prioritize exploring alternative sources for the consumption of its products and services. It would be inappropriate to relax this because a trade agreement with the US will ultimately be reached.

It is in India's interest that its products are consumed in as many countries as possible around the world. India should also explore other countries besides the US as favorable markets for its products because only this can help it overcome China's dominance in the global supply chain and fulfill the aspirations of those countries that view India as a major player under the China Plus One strategy. Undoubtedly, all this will be possible only when Indian businesses achieve world-class quality and productivity of their products.

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दावों की उड़ीं धज्जियां, दोबारा परीक्षा देने को मजबूर विद्यार्थी

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के एलएलबी के एक पेपर की परीक्षा धामपुर के एक केंद्र में पुराने प्रश्नपत्र से कराए जाने के कारण निरस्त कर दी गई। इससे 437 विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने शुचितापूर्ण परीक्षा के दावे की धज्जियां उड़ाई गईं। इसकी वजह से अब लॉ संकाय के धामपुर में 437 विद्यार्थी दोबारा परीक्षा देने को मजबूर हो गए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए निर्देश के अनुसार अब इन विद्यार्थियों की परीक्षा 27 फरवरी को होगी।विश्वविद्यालय द्वारा एलएलबी के पेपर कोड 12705 लॉ ऑफ टॉट्र्स प्रश्नपत्र की परीक्षा सोमवार दोपहर दो बजे से पांच बजे तक कराई गई। परीक्षा केंद्र 711 आरएसएम पीजी कॉलेज धामपुर बिजनौर में पुराने प्रश्नपत्र से परीक्षा संपन्न कराई गई।इस परीक्षा केंद्र पर अफजलगढ़ लॉ कॉलेज अफजलगढ़ के 54, धामपुर लॉ कॉलेज के 94 विद्यार्थी, जेके मॉर्डन लॉ कॉलेज नगीना रोड धामपुर के 70 विद्यार्थी, लक्ष्य कॉलेज ऑफ लॉ भगवरा

स्यौहारा के 113 विद्यार्थी और लोकमनि लॉ कॉलेज कादराबाद खुर्द स्यौहरा के 106 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक अमृत लाल द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार एलएलबी के पेपर कोड 12705 लॉ ऑफ टॉट्र्स प्रश्नपत्र की परीक्षा निरस्त की जाती है। एलएलबी के पंजीकृत छात्र-छात्राओं की पुनः परीक्षा 27 फरवरी को आयोजित करवाई जाएगी। हिंदू कॉलेज में भी खुल गया था लॉ ऑफ टॉट्र्स का पेपर- परीक्षाओं में लापरवाही का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले बृहस्पतिवार को हिंदू कॉलेज में कमरा नंबर 45 में विधि संकाय की हिंदू लॉ (कोड 12703) का पेपर था। दोनों कक्ष निरीक्षकों ने प्रश्नपत्र के बंडल से पेपर निकालकर लॉ ऑफ टॉट्र्स (कोड 12705) का प्रश्नपत्र वितरित कर दिया था। एक छात्र के टोकने पर कक्ष निरीक्षक ने तुरंत पेपर वापस ले लिए थे। इसके करीब 15 मिनट बाद हिंदू लॉ का प्रश्नपत्र वितरित किया गया था। मामले के निरीक्षण के लिए कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी भी पहुंचे थे। विद्यार्थियों का आरोप था कि शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय भी नहीं दिया था। कुलपति ने अपना नंबर कमांड सेंटर के रूप में सक्रिय रखने का किया था दावा- जब 16 जनवरी से स्नातक और परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरु हुई थीं तो कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी ने अपना, कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक का मोबाइल नंबर कमांड सेंटर की तरह काम करने का दावा किया था। हर जनपद में सचल दल भी गठित किए थे। इसके अलावा हर गतिरोध को सुलझाने के लिए स्वयं के निरीक्षण करने का भी दावा किया था। यहां तक कि पर्यवेक्षक लगाने की भी बात कही थी, इसके बावजूद परीक्षाओं में लापरवाही के मामले सामने आ गए।

परिजनों को फोन पर गुमराह करता रहा दोस्त, फिर मच गया कोहराम, खंडहर में मिला युवक का शव

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में डीआईजी ऑफिस तिराहे के पास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर खंडहर में हामिद हसन का शव मिला। वह दोस्त के साथ घर से निकला था। परिवार ने दोस्त पर हत्या का आरोप लगाया है।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में डीआईजी ऑफिस तिराहे के पास गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर खंडहर में 25 वर्षीय युवक हामिद हसन का शव पड़ा मिला है। मंगलवार की सुबह युवक को उसका दोस्त घर से बुलाकर ले गया था। इसके बाद से युवक लापता था।परिवार के लोगों ने दोस्त पर ही हत्या करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है हालांकि युवक के सिर पर कोई चोट का निशान नहीं मिला है। सिविल लाइंस के नया गांव पीएसी निवासी मो. शाकिर का बेटा हामिद हसन पुताई का काम करता था। पिता और परिवार के अन्य लोगों ने बताया कि दो दिन पहले ही उसका रिश्ता तय हुआ था। जिस कारण छुट्टी पर चल रहा था। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे वह घर में मौजूद था। इसी दौरान हामिद हसन का दोस्त आ गया और वह हामिद हसन को अपने साथ ले गया। पिता और परिवार के अन्य लोगों ने बताया कि दो दिन पहले ही उसका रिश्ता तय हुआ था। जिस कारण छुट्टी पर चल रहा था। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे वह घर में मौजूद था। इसी दौरान हामिद हसन का दोस्त आ गया और वह हामिद हसन को अपने साथ ले गया।करीब दो बजे पिता ने बेटे को कॉल की लेकिन उसका नंबर नहीं रिसीव हुआ। दूसरी बार कॉल की तो किसी अंजान व्यक्ति ने कॉल उठाई और उसने गुमराह किया। जहां पूछताछ करने पर कॉल रिसीव करने वाले ने अभद्रता की।इसके बाद पिता बेटे को ढूंढने के लिए निकल आए। मो. शाकिर अपनी पत्नी के साथ बेटे की तलाश में जुट गए। गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर खंडहर में कुछ लोगों ने बताया ने हामिद हसन को पड़ा देखा तो मो. शाकिर और जानकारी दी।सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई और फोरेंसिक टीम भी बुला ली। परिवार के लोगों का आरोप है कि घर से बुलाकर ले गए दोस्त ने ही हत्या की है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चौराहे में महापुरुषों की मूर्तियां लगाने को लेकर भिड़ गए पार्षद, नगम निगम की बैठक में जमकर हंगामा

मुरादाबाद नगर निगम बैठक में जीआईसी चौक पर अंबा प्रसाद और ध्यानचंद की मूर्ति लगाने को लेकर पार्षदों में नोकझोंक हो गई। बैठक में 11.59 अरब का बजट पास किया गया। इसमें सड़क चौड़ीकरण पर जोर दिया गया। मुरादाबाद नगर निगम बोर्ड की बैठक में मंगलवार को जीआईसी चौक पर महापुरुषों की मूर्तियां लगाने को लेकर विवाद छिड़ गया। महापौर ने कहा कि जीआईसी चौक पर क्रांतिकारी सूफी अंबा प्रसाद की मूर्ति लगाई जाएगी। इस प र भाजपा के पार्षदों ने खुलकर समर्थन किया। जबकि विपक्षी पार्षद भड़क गए।उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस पर विवाद चल रहा है। जीआईसी मैदान से हॉकी के सितारे निकले हैं इसलिए वहां मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा लगनी चाहिए। इसे लेकर पक्ष और विपक्ष के पार्षदों के बीच तीखी बहस हुई और पांच मिनट तक सदन में शोर-शराबा होता रहा। नेता प्रतिपक्ष अनुभव मेहरोत्रा ने कहा कि वार्ड-66 के पार्षद मुअज्जम की मांग जायज है। वहां सूफी अंबा प्रसाद के नाम पर छापाखाना और सड़क पहले से ही है। अब जीआईसी मैदान हॉकी के लिए जाना जाता है। इसलिए वहां मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा लगाई जानी चाहिए। भाजपा पार्षद गौरव श्रीवास्तव भड़क गए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सदन में वोटिंग करा ली जाए। महापौर ने स्पष्ट किया कि जीआईसी चौक पर सूफी अंबा प्रसाद की ही प्रतिमा लगेगा। मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा के लिए बुद्धि विहार में स्थान निर्धारित किया गया। इस पर विपक्षी पार्षदों का जवाब था कि हम विरोध करेंगे। काफी देर गहमा गहमी और बैठक समाप्त होने के बाद ही पार्षद इस मुद्दे पर चर्चा करते नजर आए। बजट में खास कुल बजट = 11.59 अरब रुपये जलापूर्ति पर 18 करोड़ रुपये नाला सफाई के लिए दो करोड़ रुपये नाला निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये परिसंपत्तियों के रखरखाव पर लगभग 300 करोड़ रुपये सीवर लाइन मरम्मत व रखरखाव पर 4.50 करोड़ रुपये सार्वजनिक शौचालय निर्माण पर एक करोड़ लाख रुपये बाजार किराया 434 से घटाकर 400 रुपये करने का प्रस्ताव 11.59 अरब का बजट पास, सड़क चौड़ीकरण पर जोर बोर्ड बैठक में मंगलवार को शहर के विकास के लिए 11.59 अरब का बजट पास हो गया। बजट में नगर निगम ने नाला निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट समेत कई कार्यों पर जोर दिया है। 200 करोड़ रुपये सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़क चौड़ीकरण पर खर्च किए जाएंगे। महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि पिछले वर्ष का कुल बजट 11 अरब 23 करोड़ रुपये था। जलापूर्ति, नाला सफाई, सीवर लाइन मरम्मत, सड़क निर्माण, पथ प्रकाश, पार्कों के विकास और सार्वजनिक शौचालय निर्माण जैसे कार्यों के लिए अलग-अलग मदों में धनराशि निर्धारित की गई है। नगर निगम का दावा है कि इस बजट से शहर में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और नागरिक सुविधाओं में सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल, अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार व अजीत कुमार सिंह, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष शैलेंद्र सैनी, विशाल उर्फ गोलू, विनोद शर्मा समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। अब नामांतरण शुल्क से शहरियों की जेब ढीली कराएगा नगर निगम, संपत्ति दर्ज कराने की भी देनी होगी कीमत नगर निगम की बोर्ड बैठक में संपत्ति नामांतरण शुल्क लागू करने का प्रस्ताव पास किया गया है। इसके अलावा निगम ने आय बढ़ाने के लिए होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, नर्सिंग होम, डिलीवरी सेंटर पर भी वार्षिक लाइसेंस शुल्क लगाने का फैसला किया है।स्मार्ट सिटी का बाशिंदा होने का गर्व अब महंगा पड़ने वाला है। गृहकर-जलकर आदि की वसूली करने वाला नगर निगम अब नामांतरण शुल्क भी वसूलेगा। यानी कोई संपत्ति पिता से बेटे के नाम में दर्ज कराने की भी कीमत चुकानी होगी। वह भी ठीकठाक रकम के रूप में।संपत्ति की खरीद-फरोख्त में रजिस्ट्री दफ्तर के बड़े खर्च उठाने, तहसील में दाखिल-खारिज की प्रक्रिया की दौड़-भाग के साथ नगर निगम में संपत्ति की नामजदगी के लिए जेब ढीली करनी होगी। मंगलवार को टाउनहॉल स्थित नगर निगम कार्यालय में हुई बोर्ड की बैठक में नामांतरण शुल्क का प्रस्ताव पारित कर दिया गया।इसके लिए अलग-अलग दरें तय की गई हैं। 1000 वर्ग फीट तक की संपत्ति पर 1000 रुपये, इससे ऊपर 2000 वर्ग फीट तक पर 2000 रुपये, इससे ऊपर 3000 वर्ग फीट तक पर 3000 रुपये, इससे अधिक क्षेत्रफल पर 5000 रुपये शुल्क देना होगा। यही नहीं निगम ने बैनामे की रकम के आधार पर भी शुल्क लगाने का प्रस्ताव पास किया है। पांच लाख रुपये तक के बैनामे पर 1000 रुपये, 10 लाख रुपये तक पर 2000 रुपये, 15 लाख रुपये तक के बैनामे पर 3000 रुपये, 15 लाख से अधिक के बैनामे पर 5000 रुपये शुल्क देना होगा।यानी संपत्ति की कीमत जितनी बढ़ेगी, निगम का शुल्क भी उतना बढ़ेगा। इसके पीछे नगर निगम की आर्थिक आत्मनिर्भरता मजबूत करने का तर्क दिया जा रहा है। इसके अलावा आमदनी बढ़ाने के नए प्रयोगों में अब होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, नर्सिंग होम, डिलीवरी सेंटर, सड़क किनारे स्थित कार वॉशिंग सेंटर और ऑटो सर्विस सेंटर संचालकों से लाइसेंस शुल्क वसूला जाएगा। ढाबे और रेस्टोरेंट पर 1000 रुपये सालाना लाइसेंस शुल्क लगेगा। दस कमरों वाले होटल से 3000 रुपये, इससे अधिक क्षमता वाले होटल से 5000 रुपये की दर तय की है। नर्सिंगहोम और डिलीवरी सेंटर पर भी क्षमता के अनुसार लाइसेंस शुल्क लागू होगा। मेयर बोले, शहर में जगह-जगह अवैध होर्डिंग, ठेका नहीं बढ़ाएंगे- , निगम के अधिकारियों की ओर से बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि विज्ञापन कंपनियों को पहले पांच वर्ष तक का ठेका दिया जाता था। अब इसे बढ़ाकर नौ प्लस तीन यानी 12 वर्ष किया जाएगा। मेयर विनोद अग्रवाल ने इसे नकार दिया। उन्होंने कहा कि शहर में जगह-जगह अवैध होर्डिंग लगे हैं। विज्ञापन के ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं। इनका ठेका नहीं बढ़ाया जाएगा। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार ने तर्क दिया कि यह मामला शासन स्तर तक पहुंच चुका है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, वीडियो बनाकर छह माह तक किया ब्लैकमेल, पीड़िता हो गई गर्भवती

मैनाठेर में किशोरी से चार लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोप है कि वीडियो बनाकर उसे लगातार ब्लैकमेल किया गया। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। मैनाठेर थाना क्षेत्र में 13 साल की एक किशोरी से चार लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बना लिया। छह माह तक आरोपियों ने पीड़िता को ब्लैकमेल किया। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई। इसकी जानकारी होने पर मां ने पूछताछ की तो आपबीती सुनाई।पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर तीन नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। आरोपियों में 70 साल का बुजुर्ग भी शामिल है। पीड़िता के पिता ने मैनाठेर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह गांव के पास ही अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बाग की रखवाली करता है।करीब छह माह पहले वह मजदूरी करने गया था। उसकी पत्नी खाना बनाने घर चली गई थी। 13 साल की बेटी आम के बाग में मौजूद थी। तहजीब वहां पहुंच गया और उसकी 13 साल की बेटी को तमंचा दिखाकर गन्ने के खेत में ले गया। आरोपी ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और मोबाइल से वीडियो बना लिया। अगले दिन तहजीब ने इस घटना का वीडियो किशोरी को दिखाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। चार दिन के बाद आरोपी तहजीब ने आलम, कल्लू और एक अन्य को बुला लिया। चारों ने पीड़िता के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। कहीं शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोपी पिछले छह माह से पीड़िता को ब्लैकमेल कर रहे हैं। तबीयत खराब होने पर मां किशोरी को डॉक्टर के पास ले गई तो पता चला कि उसकी बेटी गर्भवती है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि मैनाठेर थानाक्षेत्र के तख्तपुर अल्ला उर्फ नानकार निवासी तहजीब, आलम, 70 वर्षीय कल्लू और एक अज्ञात के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

मोबाइल पर लगातार आने लगे मैसेज, देखकर हक्का बक्का रह गया पीटीसी कर्मी, खाते से उड़ गए तीन लाख

पीटीसी में कार्यरत अफसर आलम के खाते से साइबर ठग ने तीन लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। मैसेज आने के बाद उन्हें ठगी का पता चला। साइबर सेल ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीटीसी में कार्यरत अफसर आलम के खाते से साइबर ठग ने तीन लाख रुपये उड़ा लिए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साइबर ठगी का शिकार हुए अफसर आलम ने बताया कि 28 जनवरी 2025 को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया।जिससे पता चला कि उनके खाते से तीन लाख रुपये किसी दूसरे खाते में ट्रांसफर हुए हैं। अफसर आलम का कहना है कि न तो उन्होंने कोई लिंक डाउन लोड किया और न ही किसी से फोन पर बात की थी। बावजूद इसके उनका मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद अचानक से ओटीपी आने लगे।उन्होंने तुरंत साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर कॉल की और साइबर ठगी होने की जानकारी देते हुए शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद उन्होंने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल ने करीब एक माह इस मामले की जांच की। इसके बाद रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए सिविल लाइंस थाने में तहरीर भेज दी। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। सिविल लाइंस थाने की पुलिस साइबर से की मदद से पीड़ित की रकम वापस कराने का प्रयास कर रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला स्तरीय सैनिक बन्धु बैठक का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अधिकारी अविनाश सिंह के आदेशानुसार बुधवार को जिला सैनिक बन्धु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में सौरभ दुबे, अपर जिलाधिकारी (नगर) बरेली की अध्यक्षता में आयाजित हुआ। बैठक में आठ पूर्व सैनिक उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र प्रेषित किया। पूर्व सैनिकों से बारी-बारी करके प्रार्थना पत्रों को निस्तारण कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों का निस्तारण किये जाने हेतु निस्तारित किया। पूर्व सैनिकों के लम्बित पांच प्रार्थना पत्रों पर सम्बन्धित अधिकारी को फोन से निस्तारण करके आख्या प्रेषित करने के दिए निर्देश। बैठक में उपस्थित वयोवृद्ध पूर्व सैनिक भूदेव शर्मा (84 वर्ष) के दीर्घकालीन लंबित भूमि वाद के निस्तारण हेतु अपर जिलाधिकारी ने निष्पक्ष जांच के लिए समिति गठन का आश्वासन दिया और पूर्व सैनिक को आश्वास्त किया कि प्रशासन उन्हें न्याय दिलाने हेतु यथासंभव भरसक प्रयास करेगा। जनपद के वृद्ध/अक्षम सैनिकों के शस्त्र लाईसेन्स को वारिसार के नाम दर्ज कराने के चार प्रार्थना पत्रों पर अध्यक्ष महोदय ने त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिया। दो अन्य प्रकरणो में खेत को जाने हेतु अवरूद्ध चक मार्ग को खुलवाने के लिए सम्बन्धित उपजिलाधिकारी को बैठक में ही निर्देशित किया। बैठक में उपस्थित पूर्व सैनिकों के दो-तीन प्रार्थना पत्र का अवलोकन करने के पशचात प्रकरण मा0 न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण हस्तक्षेप करना उचित नहीं है कहकर इन प्रकरणों को भी निस्तारित कर दिया। बैठक का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, बरेली कमान्डर सतीश कुमार (अ0प्रा0) के द्वारा किया गया। अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ दुबे, बरेली, ने भूतपूर्व सैनिकों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। अपर पुलिस अधीक्षक, लीड बैंक मैनेजर, मुख्य चिकित्साधिकारी व सेवायोजन अधिकारी उपस्थित रहे।

मैक्स हॉस्पिटल, वैशाली ने ब्लड डिसऑर्डर और बोन मैरो ट्रांसप्लांट ओपीडी सेवाएं शुरू कीं

हर माह के आखिरी बुधवार को 12 से 2 प्रताप हॉस्पिटल में डॉ प्रदीप रहेंगे मौजूद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मैक्स सुपर स्पेशलिटी ?हॉस्पिटल, वैशाली ने बुधवार को बरेली के प्रताप हॉस्पिटल में ब्लड डिसऑर्डर और बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMT) के लिए समर्पित ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इन विशेष ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ मैक्स सुपर स्पेशलिटी ?हॉस्पिटल, वैशाली के हेमेटोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर? - डॉ. प्रदीप कुमार, की उपस्थिति में हुआ। डॉ. प्रदीप कुमार, प्रत्येक माह के चौथे बुधवार को दोपहर 12ः00 बजे से 2ः00 बजे तक प्रताप हॉस्पिटल, बरेली में उपलब्ध रहेंगे। वे यहां प्राथमिक परामर्श (प्राइमरी कंसल्टेशन) और फॉलो-अप के लिए मरीजों को देखेंगे।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी ?हॉस्पिटल, वैशाली के हेमेटोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर? - डॉ. प्रदीप कुमार, ने कहा, ल्यूकेमिया, लिंफोमा और मायलोमा जैसे ब्लड कैंसर की समय पर पहचान बेहद जरूरी है, क्योंकि लगातार थकान, बिना कारण बुखार या असामान्य ब्लड रिपोर्ट जैसे लक्षण गंभीर बीमारी का संकेत हो सकते हैं। किसी भी प्रकार के कैंसर से ग्रस्त बच्चों के ठीक होने की संभावना कम से कम 70त्न तक होती है, बशर्ते उन्हें एक अच्छे पीडियाट्रिक कैंसर सेंटर में समय पर और सही इलाज मिले। इम्यूनोथेरेपी, ष्टक्र ञ्ज-सेल थेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी एडवांस्ड ट्रीटमेंट के कारण अब मरीजों के परिणाम काफी बेहतर हुए हैं, जिससे उन्हें नई उम्मीद और लंबी अवधि तक स्वस्थ जीवन का अवसर मिल रहा है। डॉ. प्रदीप, ने आगे बताया, ब्लड से जुड़ी आम बीमारियों में लो हीमोग्लोबिन, लो प्लेटलेट काउंट, थैलेसीमिया, एप्लास्टिक एनीमिया, हीमोफीलिया और अन्य ब्लीडिंग डिसऑर्डर शामिल हैं। इसके अलावा मायलोमा, एक्यूट और क्रॉनिक ल्यूकेमिया तथा लिंफोमा जैसे ब्लड कैंसर भी आम हैं। इन ओपीडी सेवाओं की शुरुआत से बरेली और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को प्राथमिक परामर्श के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। यह पहल मैक्स सुपर स्पेशलिटी ?हॉस्पिटल, वैशाली की पेशेंट सेंट्रिक सोच को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य देश के हर क्षेत्र तक एडवांस्ड और स्पेशलाइज्ड हेल्थकेयर पहुंचाना है। विश्वस्तरीय सुविधाओं और अनुभवी विशेषज्ञों के साथ ?हॉस्पिटल ?कॉम्प्लेक्स ब्लड डिसऑर्डर और कैंसर के मरीजों को कॉम्प्रिहेंसिव, सुरक्षित और क्वालिटी केयर प्रदान करने के लिए निरंतर नए मानक स्थापित कर रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खरीफ व रबी फसल प्रशिक्षण किसान मेला/ कृषि ज्ञान संगोष्ठी का होगा कार्यक्रम , 27 व 28 फरवरी को दो दिवसीय आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। उप निदेशक कृषि (शोध) दुर्विजय सिंह ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा जारी गाईड लाईन और कार्य योजना के अनुसार प्रस्तावित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में फसलों में परीक्षण एंव प्रदर्शन से सम्बन्धित तकनीकि एवं वैज्ञानिक जनकारी हेतु दो दिवसीय खरीफ व रबी प्रशिक्षण/किसान मेला/कृषि ज्ञान संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 व 28 फरवरी को पूर्वान्ह 11:00 बजे से राजकीय कृषि शोध प्रक्षेत्र सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र बिल्वा नैनीताल रोड बरेली के परिसर में किया जा रहा है, जिसमें बरेली मण्डल एवं मुरादाबाद मण्डल के प्रगतिशील महिला/पुरुष कृषकों एवं प्रसार कर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। उक्त किसान मेला/कृषि ज्ञान संगोष्ठी कार्यक्रम में विभिन्न विभाग अपने-अपने स्टाल लगायेगें एवं योजनाओं की जनकारी देग। सभी कृषक बंधुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक सम्मिलित होने की अपील की है।

शहीद का नाम, सियासत का काम! पीलीभीत में भगत सिंह द्वार पर नहीं शहीद की तस्वीर

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत। उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड सीमा पर खड़ा 'शहीद भगत सिंह द्वार' भव्य तो दिखता है, लेकिन अपने ही नाम के नायक से खाली है। जिस क्रांतिकारी ने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमा, उनके नाम पर बने इस द्वार पर उनकी तस्वीर तक नहीं है-जबकि नेताओं की तस्वीरें पूरे शान से चमक रही हैं। स्थानीय लोगों का आक्रोश और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग पूछ रहे हैं-अगर द्वार शहीद के नाम पर है, तो उनकी प्रतिमा या चित्र क्यों नहीं लगाया गया? क्या शहीदों की विरासत अब केवल शिलापट्ट तक सीमित रह गई है? सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने इसे शहीदों के बलिदान का खुला अपमान बताया। उन्होंने कहा, देश के लिए जान देने वाले क्रांतिकारी के नाम का इस्तेमाल कर राजनीतिक ब्रांडिंग करना शर्मनाक है। प्रशासन तुरंत शहीद-ए-आजम की प्रतिमा स्थापित करे। वहीं, अपर मुख्य अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्रस्ताव में फोटो का बजट नहीं था, फोटो लगाना जरूरी नहीं। इस बयान ने जनता के जख्म पर और नमक छिड़क दिया। सवाल उठ रहा है-जब शहीद की तस्वीर के लिए बजट नहीं था, तो नेताओं की तस्वीरों के लिए धन कहां से आया? विशेषज्ञों का कहना है कि यह विवाद शहीदों के नाम को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने की स्पष्ट मिसाल है। अगर किसी द्वार का नाम भगत सिंह के नाम पर है, तो वह उनकी क्रांति, त्याग और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रतिबिंबित करे, न कि किसी जीवित नेता के प्रचार को। पीलीभीत का यह द्वार अब केवल स्वागत का प्रतीक नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासन और समाज से सवाल मांगने वाला चिन्ह बन चुका है-क्या शहीदों का सम्मान सिर्फ नाम तक सीमित रहेगा, या उनकी विरासत को भी सच्चा स्थान मिलेगा?

हादसे में घायल एक ही गांव के तीन युवकों की मौत, बाजार से लौटते समय वाहन ने मारी थी टक्कर

अंबेडकरनगर में हादसे में घायल एक ही गांव के तीन युवकों की मौत हो गई। सब्जी लेकर बाजार से लौटते समय तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी थी।यूपी के अंबेडकरनगर में मंगलवार को हादसे में घायल ई-रिक्शा चालक, राजमिस्त्री व मजदूर की मौत हो गई।

घटना से घरों में चीख पुकार मच गई। सब्जी लेकर बाजार से लौटते समय तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी थी। हादसा महरुआ क्षेत्र के आनंदनगर तिराहे पर हुआ। हादसे में घायल सतेंद्र, मुकेश और प्रेमकुमार की मौत हुई है। तीनों एक ही गांव बरामदपुर जरियारी के रहने वाले थे। गांव के तीन युवाओं की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि मंगलवार शाम को काम से लौटने के बाद तीनों सब्जी लेने बाजार गए थे।

रास्ते में तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। वहां इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई।

पीलीभीत पुलिस की बड़ी कामयाबी: 3 अंतरजनपदीय लुटेरे गिरफ्तार, जेवर और बाइकों का जखीरा बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत। जनपद में लगातार हो रही लूट की वारदातों पर करेली थाना पुलिस ने कड़ा प्रहार करते हुए तीन शातिर अंतरजनपदीय लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लूटे गए कुंडल, ?15,200 नकद, 3 मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई 3 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक सुकृति माधव मिश्र ने बताया कि थाना करेली पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना मिली थी। लदपुरा मार्ग स्थित भदेगकंजा तिराहे पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया गया। आरोपियों की पहचान रामू उर्फ रामचंद्र, श्याम उर्फ श्यामू (पिपरिया संजरपुर) और कय्यूम उर्फ झब्बू (प्रहलादपुर, बरेली, हाल निवासी बीसलपुर) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोटरसाइकिलों से सुनसान रास्तों और बाजारों में महिलाओं को निशाना बनाकर झपट्टा मारते थे और तेजी से फरार हो जाते थे। बरामद बाइक-स्प्लेंडर, अपाचे और होंडा शाइन-यहीं वारदातों में इस्तेमाल की जा रही थीं। इस गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला, थानाध्यक्ष विपिन शुक्ला और सर्विलांस टीम समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है और अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी पड़ताल की जाएगी। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय लुटेरों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है। पुलिस का संदेश साफ है- अपराध करोगे, तो जेल जाओगे।

SBI की नई ब्रांच का बुखारा में शुभारंभ, सीजीएम दीपक कुमार डे और जीएम अनिल कुमार रहे मुख्य अतिथि

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। लालफाटक बुखारा क्षेत्र में बीआर कैंप (आईटीबीपी कैंप) के पास स्थित बीआर टावर में State Bank of India (एसबीआई) की नई शाखा का मंगलवार को भव्य एवं विधिवत उद्घाटन किया गया। शाखा के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को आधुनिक, सुरक्षित और सुलभ बैंकिंग सुविधाएं अपने नजदीक ही बैंक से प्राप्त होंगी, जिससे उन्हें अन्य क्षेत्रों की शाखाओं पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। उद्घाटन समारोह में लखनऊ सर्किल के चीफ जनरल मैनेजर दीपक कुमार डे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जनरल मैनेजर अनिल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने शाखा प्रबंधक नूपुर गुप्ता, रीजनल मैनेजर नीरज कुमार राय, मुख्य प्रबंधक अंकुर तिवारी, असिस्टेंट मैनेजर रंकज कुमार वर्मा, जूनियर एसोसिएट प्रखर श्रीवास्तव तथा अन्य बैंक स्टाफ की मौजूदगी में फीता काटकर शाखा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्राहकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया और शाखा परिसर का निरीक्षण भी कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि State Bank of India देश का अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जो ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। बुखारा क्षेत्र में नई शाखा की स्थापना बैंक की इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इससे स्थानीय निवासियों, व्यापारियों, कर्मचारियों, किसानों तथा छोटे उद्यमियों को विशेष लाभ मिलेगा। अब उन्हें खाता खोलने, ऋण संबंधी प्रक्रिया, नकद जमा-निकासी, चेक क्लियरेंस तथा अन्य बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। नई शाखा में बचत एवं चालू खाते खोलने की सुविधा के साथ-साथ होम लोन, वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण, कृषि ऋण एवं व्यापारिक ऋण जैसी विविध वित्तीय सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा डिजिटल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सुविधा भी ग्राहकों को प्रदान की जाएगी। विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत खाते खोलने तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की सुविधा भी यहां उपलब्ध रहेगी। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि बुखारा शाखा क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगी और ग्राहकों को तेज, पारदर्शी एवं सुरक्षित बैंकिंग अनुभव उपलब्ध कराएगी। समारोह का समापन शाखा के अवलोकन, कर्मचारियों के उत्साहवर्धन तथा उपस्थित लोगों के साथ संवाद के साथ हुआ।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर मजदूरों की हुंकार, भारतीय मजदूर संघ का जोरदार प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / मजदूरों, कर्मचारियों और असंगठित क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से सरकार को 18 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए जल्द समाधान की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और तेज किया जाएगा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री ब्रह्म स्वरूप वर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश के मजदूर, संविदा कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी उपेक्षा से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय का सही तरीके से भुगतान नहीं हो रहा है और आउटसोर्सिंग व्यवस्था के नाम पर संविदा कर्मियों का शोषण किया जा रहा है। एनएचएम कर्मियों के लिए बीमा मद में बजट मिलने के बावजूद लाभ नहीं दिया गया, जबकि 108 और 102 एंबुलेंस के बर्खास्त कर्मियों की बहाली न होने से वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। संघ ने सफाई कर्मचारियों से बिना सुरक्षा उपकरण के कार्य लेने और उचित वेतन न देने पर भी नाराजगी जताई। साथ ही पटरी-रेहाड़ी दुकानदारों, ई-रिक्शा और ऑटो चालकों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए ठोस सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को भी प्रमुखता से उठाया गया, जिसे लेकर कर्मचारियों में गहरा असंतोष बताया गया। ज्ञापन में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी घोषित करने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, सफाई कर्मचारियों को ?18,000 न्यूनतम वेतन देने, 108-102 एंबुलेंस कर्मियों की बहाली, बैंक कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने, पटरी दुकानदारों को स्थायी स्थान उपलब्ध कराने, असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा देने, मिड-डे मील कर्मचारियों का मानदेय ?10,000 करने तथा पुरानी पेंशन बहाल करने सहित कुल 18 प्रमुख मांगें शामिल हैं। इसके अलावा पत्रकारों और श्रमजीवी पत्रकारों को सुरक्षा बीमा और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की मांग भी उठाई गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष साधुराम दिवाकर, जिला मंत्री ब्रह्म स्वरूप वर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा, संयुक्त मंत्री शेर सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव, अमरेश कुमार, नंदकिशोर कश्यप, मनोज कुमार पांडे, प्रमोद कुमार वर्मा, बालक राम वर्मा, बृजलाल राजपूत, बंटी लोधी समेत बड़ी संख्या में मजदूर और कर्मचारी नेता मौजूद रहे। भारतीय मजदूर संघ ने स्पष्ट किया कि मजदूरों और कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन व्यापक आंदोलन शुरू करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
अपना प्रदेश
www.knlslive.com
26 February 2026

बीएसपी विधायक के घर इनकम टैक्स का छापा, मंत्री दिनेश प्रताप ने जताई नाराजगी; लिखा- भगवान सद्बुद्धि दे

राजधानी में बीएसपी विधायक के घर इनकम टैक्स टीम का छापा पड़ा है। 50 से अधिक अफसर पुलिस के साथ जांच कर रहे हैं। इस पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई।राजधानी लखनऊ में बुधवार को बीएसपी विधायक उमाशंकर सिंह के घर इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा। उमाशंकर सिंह बीएसपी के इकलौते विधायक हैं। वह कैंसर से पीड़ित हैं। दो बार उनका ऑपरेशन हो चुका है। लखनऊ स्थित आवास में वह आइसोलेशन में रहते हैं। 50 से ज्यादा अफसर पुलिस टीम के साथ उनके घर पर कार्रवाई कर रहे हैं। डॉक्टर और नर्स के भी आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। गोमतीनगर में उनका आवास और दफ्तर है।आयकर विभाग की इस कार्रवाई पर योगी सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह के घर मेरी बेटी ब्याही है। उनके घर में आज आयकर विभाग की टीम छापा मार रही है। देश-प्रदेश के राजनेता, आयकर सहित सभी संस्थाओं को पता है कि उमाशंकर सिंह दो वर्ष से अधिक से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में उनके लिए धनार्जन नहीं सांसें बचाने में ही सारा समय और धन व्यय हो रहा है। सभी व्यवसाय लगभग बंद हो गए हैं। आज अपने आवास में आइसोलेशन में रह रहे हैं।उन्होंने आगे लिखा कि विधानसभा का सत्र एक विधायक के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन एक घंटे के लिए भी नहीं जा सके। इस समय उनके घर पर नर्स या डॉक्टर को भी जाने की अनुमति नहीं है। यदि उनके जीवन को कोई हानि होती हैं तो ये संवेदनहीन संस्थाएं जिम्मेदार होंगी। इस प्रकार की परिस्थितियों में दुर्लभतम अपराधों में भी माननीय न्यायालय दया के आधार पर याचिका स्वीकार करके दोष मुक्त कर देते हैं। किंतु, इस कठिन दौर में भी कौन संवेदनहीन राजनेता या संस्था हो सकती हैं जो ऐसी परिस्थितियों में भी पीड़ा देने की सोच सकता है। प्रभु ऐसे लोगों को और संस्थाओं को सद्बुद्धि दे। श्री उमाशंकर सिंह विद्यायक रसड़ा जनपद बलिया जिनके घर में मेरी बेटी व्याही है के घर में आज आयकर विभाग के द्वारा रेड की जा रही है।

स्वतंत्रदेव बोले - 2027 में मुंगेरीलाल का सपना साबित होगा अखिलेश का सत्ता में वापसी का दावा

उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री और प्रयागराज के जिला प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को सर्किट हाउस में हुंकार भरते हुए कहा कि प्रदेश में 2017 और 2022 की तरह 2027 में भी प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा।उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री और प्रयागराज के जिला प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को सर्किट हाउस में हुंकार भरते हुए कहा कि प्रदेश में 2017 और 2022 की तरह 2027 में भी प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा। उन्होंने सपा प्रमुख पर तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव का सत्ता प्राप्त करने का सपना %%मुंगेरीलाल के हसीन सपने%% जैसा साबित होगा।चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस के सभागार में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में प्रभारी मंत्री ने संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से एस आईआरअभियान के अंतर्गत हुए कार्यों की प्रगति जानी। जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया जब तक अभियान का कार्य पूर्ण न हो जाए, तब तक विश्राम नहीं करना है। मंत्री ने आगामी विधानसभा चुनावों की ओर इशारा करते हुए कहा कि 2027 अब दूर नहीं है। कार्यकर्ताओं का एकमात्र लक्ष्य कमल होना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएं और सतत संवाद बनाए रखें।एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस द्वारा किए गए अर्धनग्न प्रदर्शन पर स्वतंत्र देव सिंह ने तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन किसी समझौते के खिलाफ नहीं, बल्कि कांग्रेस की वर्तमान स्थिति का परिचायक था। उन्होंने कटाक्ष किया यह प्रदर्शन बता रहा था कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को किस हाल में पहुंचा दिया है। बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से भेंट कर उन्हें होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इसके पूर्व सर्किट हाउस पहुंचने पर भाजपाइयों ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मेयर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, दीपक पटेल, राजमणि कोल, पियूष रंजन निषाद, एमएलसी डॉ. केपी श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, निर्मला पासवान, राजेश शुक्ला, राजेश केसरवानी, विवेक मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, विवेक अग्रवाल, प्रमोद मोदी, विजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईटी कंपनी में निवेश का झांसा देकर 1.12 करोड़ ठगे, व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर की गई ठगी

ये ठगी विप्रो इन्वेस्टमेंट पॉलिसी नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। इस ग्रुप में कंपनी का लोगो इस्तेमाल किया गया और कंपनी के संस्थापक अजीम प्रेमजी के नाम का हवाला देकर निवेशकों को आकर्षक मुनाफे का भरोसा दिलाया गया। मामले में 12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।हंसवर में एक बड़ी आईटी कंपनी के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। सुदीप वर्मा और प्रांजल वर्मा ने लोगों को प्रतिष्ठित कंपनी में निवेश का झांसा देकर 1.12 करोड़ी की ठगी की। दबाव पड़ने पर सिर्फ 82 लाख लौटाए। मंगलवार रात गिरोह के 12 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की गई है।अरुसा आजमपुर निवासी अविनाश पटेल के मुताबिक यह पूरा खेल 5 अप्रैल 2025 को शुरू हुआ, जब मुख्य आरोपी सुदीप वर्मा और प्रांजल वर्मा ने विप्रो इन्वेस्टमेंट पॉलिसी नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। इस ग्रुप में कंपनी का लोगो इस्तेमाल किया गया और कंपनी के संस्थापक अजीम प्रेमजी के नाम का हवाला देकर निवेशकों को आकर्षक मुनाफे का भरोसा दिलाया गया।प्रांजल वर्मा खुद को कंपनी का कर्मचारी बताकर लोगों का विश्वास जीतने में कामयाब रहा। सुदीप और प्रांजल ने लोगों को अपनी जीवन भर की कमाई, इन दोनों के और इनके करीबियों के विभिन्न बैंक खातों में ऑनलाइन और नकद के माध्यम से जमा करने के लिए प्रेरित किया। यह ठगी का सिलसिला लगभग सात महीने तक चला।सुदीप के चाचा वीरेंद्र वर्मा, जो बसखारी बैंक ऑफ बड़ौदा के पास ग्राहक सेवा केंद्र चलाते हैं, ने सुदीप का खाता खुलवाने और नकदी निकालने में मदद की। सुदीप के बड़े भाई अनूप वर्मा और प्रांजल की चाची शिल्पा वर्मा (सहायक अध्यापिका) ने मिलकर विभिन्न ग्रुपों का लेखा-जोखा रखा और रुपये की हेराफेरी की। शिल्पा वर्मा पर आरोप है कि वह अपने जानने वाले शिक्षकों और करीबियों के खातों में रुपये मंगवाती थी और फिर उन्हें नकदी के रूप में लेकर लाखों की संपत्ति व आभूषण खरीद डाले। शिल्पा वर्मा ने अपने मायके में धोखाधड़ी के रुपये से दो पक्के मकान बनवाए हैं। फिरोज अहमद और उसके भाई शहंशाह (लेखपाल) ने भी इस ठगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 13 नवंबर 2025 को सुदीप ने सभी निवेशकों को व्हाट्सएप ग्रुप से ब्लॉक कर दिया। 14 नवंबर 2025 को जब सभी सुदीप और प्रांजल के घर पहुंचे, तो उन्होंने कबूल किया कि रुपये विप्रो कंपनी में नहीं लगाए है, बल्कि उन्होंने उसे आपस में बांट लिया है। नौ माह में इस ग्रुप के माध्यम से एक करोड़ 12 लाख 46 हजार 159 रुपये की ठगी की गई। दबाव में आरोपियों ने 82 लाख 5 हजार 836 रुपये वापस किए। अभी 30.18 लाख देने बाकी हैं और रुपये वापस मांगने पर धमकी दी जा रही है। प्रभारी निरीक्षक अभिनेष सिंह ने बताया कि एसपी के आदेश पर एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

मीडिया के सामने आया बाप का हत्यारा अक्षत, बताया किन-किन जगहों पर शरीर के अंग काटकर थे फेंके

लखनऊ में पिता की हत्या करने वाला अक्षत मीडिया के सामने पेश किया गया। उसने उस रात का पूरा किस्सा बताते हुए बहन के बारे में भी बात की। आशियाना के सेक्टर एल निवासी पैथालॉजी संचालक एवं शराब कारोबारी मानवेंद्र सिंह (49) की हत्या के आरोप में गिरफ्तार उनके बेटे अक्षत को पुलिस ने बुधवार को मीडिया के सामने पेश किया। अक्षत से पूछा गया कि उसने पिता की हत्या क्यों की। काफी देर तक खामोश रहने के बाद अक्षत ने बोला कि गलती से हत्या हो गई थी।हालांकि, अक्षत के इस जवाब से कोई संतुष्ट नहीं है। पुलिस का कहना है कि मानवेंद्र बेटे पर डॉक्टर बनने का दबाव बना रहे थे। दो बार अक्षत ने नीट भी दिया था, लेकिन असफल रहा था। इसके बाद भी मानवेंद्र उससे लगातार परीक्षा की तैयारी करने के लिए कह रहे थे। 19 फरवरी की देर रात में पिता-पुत्र में इसी बात को लेकर बहस हुई थी। इससे नाराज होकर अक्षत ने 20 फरवरी को तड़के पिता के सिर में लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी थी। बुधवार को आरोपी से ये भी पूछा गया कि पूरे घटनाक्रम में उसकी बहन की क्या भूमिका है। जवाब में सिर हिलाते हुए अक्षत ने बताया कि उसकी बहन की कोई गलती नहीं है। वह किसी भी प्रकार से इसकी जिम्मेदार नहीं है।पुलिस ने आरोपी को बुधवार को सीजेएम कोर्ट में भी पेश किया। सीजीएम कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अक्षत से कई सवाल पूछे गए। हर सवाल पर आरोपी चुप्पी साधे रहा। चेहरे पर नहीं दिखी मायूसीपिता का कत्ल करने के बाद भी आरोपी अक्षत के चेहरे पर कोई सिकन नहीं दिखी। वह बिल्कुल सामान्य नजर आया। ऐसा लग रहा था कि उसने कोई अपराध ही नहीं किया हो। पूछताछ में भी उसने पुलिस को पूरी कहानी खुलकर बता दी। बुधवार को जब उसे पुलिस कोर्ट लेकर जा रही थी, तब भी आरोपी के व्यवहार में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। नादरगंज में फेंके थे काटे गए अंग- अक्षत ने पुलिस को बताया कि उसने मानवेंद्र के हाथ और पैर काटकर उसे पॉलिथीन में भरा था। इसके बाद नादरगंज इलाके में नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया था। धड़ को नीले ड्रम में भरकर घर में छिपाकर रखा था। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने खुद पिता की गुमशुदगी की फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी ने ट्रांसपोर्टनगर रेलवे ट्रैक के पास कूड़े में दो चाकू और आरी फेंक दी थी। यही नहीं, अनौरा के जंगल में जाकर चादर और बिस्तर जला दिया था। यह हुई बरामदगी- पुलिस ने अक्षत की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल राइफल, एक कारतूस, तीन खोखा, कारतूस की एक पेटी, खून से सना कॉटन, दो आरी, दो चाकू, एक नीला ड्रम, खून से सनी रजाई, एक कालीन, आरोपी का खून से सना कपड़ा, चादर और प्लास्टिक की पन्नी बरामद की है।

अखिलेश का आरोप, भाजपा ने कटवाए हिंदुओं के वोट, इंडिया गठबंधन में रहने को लेकर तोड़ी चुप्पी

अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने नोटिस देकर तमाम हिंदू भाइयों के वोट कटवा दिए हैं।सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर (विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण) में भाजपा वाले मुस्लिम भाइयों के कागज ढुंढवा रहे थे। अब वे डाटा देख रहे हैं तो हिंदू भाई ज्यादा कागज ढूंढ रहे हैं। भाजपा ने हिंदुओं पर संकट पैदा कर दिया है। याद रहे अगर वोटर लिस्ट में नाम है, तभी भारत के नागरिक हैं। भाजपा ने नोटिस देकर तमाम हिंदू भाइयों के वोट कटवा दिए हैं।अखिलेश ने बुधवार को उन्नाव और कानपुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा सरकार ने शंकराचार्य पर झूठा मुकदमा लगवा दिया। जिसने झूठा मुकदमा कराया है, उसके भाजपा नेताओं से संबंध हैं। उसकी फोटो भाजपा के कई नेताओं के साथ है।उन्होंने कहा कि भाजपा का चरित्र सभी ने देखा है। जो भाजपा के खिलाफ बोलेगा, उसकी आवाज बंद करने के लिए अधिकारियों के माध्यम से न जाने क्या-क्या कराते हैं। राजनीतिक विरोध करने पर भी अधिकारियों के माध्यम से झूठे मुकदमे लगवाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी से हमारा गठबंधन, इंडिया गठबंधन है, जो आगे भी रहेगा। भाजपा ने हरियाणा में सबसे बड़ा स्लॉटर हाउस खुलवाए हैं। अगर भाजपा सरकार में शामिल ओबीसी, एससी-एसटी के मंत्रियों को लग रहा है कि इनके साथ भेदभाव हो रहा है तो सरकार छोड़ कर चले आएं। भाजपा को खुश कर देने वालों के यहां नहीं पड़ता छापा- बसपा विधायक उमा शंकर सिंह के यहां इनकम टैक्स के छापे पर अखिलेश यादव ने कहा कि सवाल यह नहीं है कि उमाशंकर सिंह विधायक हैं, उनके घर छापा पड़ा। वह कारोबारी हैं और उनकी मदद होनी चाहिए। जो भाजपा को खुश कर देता है, उस पर छापा नहीं पड़ता है। उमा शंकर के यहां छापा इसलिए पड़ा, क्योंकि कुछ लोग जापान गए हैं। अगर जापान न जाते तो सूचना लीक हो जाती और छापा नहीं पड़ता।

यौन शोषण में बड़े नेता और VIP के शामिल होने का आरोप, शंकराचार्य पर एफआईआर कराने वाले धर्मगुरु का दावा

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य पर पॉक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज कराने वाले तथाकथित धर्मगुरु ने बुधवार को मीडिया के सामने कई और लोगों पर आरोप लगाए। कहा कि बच्चों के यौन शोषण में राजनीतिक पार्टियों के कई बड़े और वीआईपी नेता भी शामिल हैं। जिनके फोटो और वीडियो लैपटॉप में हैं। जल्द ही नामों का खुलासा भी किया जाएगा। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद व उनके शिष्य पर पॉक्सो एक्ट की एफआईआर दर्ज कराने वाले धर्मगुरु के शिष्य ने बुधवार को प्रेसवार्ता किया। उन्होंने लैपटॉप में नाबालिगों से यौन शोषण के वीडियो-फोटो के होने का दावा किया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद व उनके शिष्य मुकुंदानंद के अलावा दो-तीन अन्य नाम का खुलासा करते हुए यौन शोषण में राजनीतिक पार्टियों के वीआईपी व बड़े नेताओं के शामिल होने का आरोप लगाया।पीडब्ल्यूडी के अतिथिगृह सभागार में एक धर्मगुरु के शिष्य ने प्रेसवार्ता के दौरान आरोप लगाया कि सनातन के नाम पर चोला पहनकर विदेश से फंडिंग लेने वाले को मां गंगा ने स्नान करने से रोक दिया। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में विद्यामठ सहित अन्य स्थानों पर भी यौन शोषण करते हैं। प्रतापगढ़ में पढ़ाई के दौरान भी बच्चों से शोषण किया गया। किसी भी आश्रम में जाने से पहले साजिश के तहत बच्चों को वीआईपी के सामने परोसा जाता था।इन पीड़ितों में करीब 20 युवक-युवतियां भी शामिल हैं। साथ ही उन्होंने आलीशान भवन व स्वीमिंग पुल के सबूत को मिटाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने एक बड़े नेता पर माघ मेला में अविमुतेश्वरानंद को धरने के लिए उकसाने का आरोप लगाकर कॉल डिटेल होने का दावा किया है। कहा कि जब वह आएंगे और पानी पिलाएंगे तो ही धरना समाप्त करेंगे। उन्होंने एफआईआर में नामजद लोगों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है।दोनों नाबालिगों का न्यायालय में बयान दर्ज- दूसरी तरफ पुलिस ने दूसरे नाबालिग बालक का मेडिकल करवा लिया है। एसीपी झूंसी विमल कुमार मिश्र टीम के संग गंगापार स्थित एक अस्पताल में नाबालिग को लेकर पहुंचे। डॉक्टरों की पैनल टीम ने मेडिकल प्रक्रिया पूरी की। पुलिस को अब रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं दोनों बालकों को न्यायालय के समक्ष पेश कर बयान दर्ज करा दिया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि एक टीम जल्द ही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मठ में जाकर पूछताछ करेगी। बता दें कि टीम झूंसी थाने में 21 फरवरी को एफआईआर दर्ज होने बाद हरदोई पहुंची थी। जहां दोनों नाबालिगों का बयान दर्ज किया

उडद फसल लगाने पर कृषकों को मिलेंगे 600 रुपये बोनस

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, जिले के ग्राम पिपरसमा में कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय मिशन ऑन इडिबल ऑयल तिलहन योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत फार्मर फील्ड स्कूल का आयोजन किया, फार्मर फील्ड स्कूल में कृषि विज्ञान केन्द्र पिपरसमा शिवपुरी के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ.पुनीत राठौर द्वारा कृषकों को ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती की उन्नत तकनीकी की जानकारी दी। डॉ.राठौर द्वारा कृषकों को बताया गया कि ग्रीष्मकाल में मूंग फसल के स्थान पर उडद फसल की बोनी करें, साथ ही उडद फसल के फायदे कृषकों को बताये। डॉ.पुष्पेंद्र सिंह द्वारा ग्रीष्म फसलों के उन्नत बीज किस्मों की जानकारी उपस्थित कृषकों को दी। उप संचालक कृषि पान सिंह करौरिया द्वारा कृषकों को बताया कि उड़द फसल की खेती करने पर शासन द्वारा 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जायेगा इसलिए मूंग के स्थान पर उडद फसल की खेती लाभकारी सिद्ध होगी। साथ ही गेहूँ फसल कटाई उपरांत नरवाई में आग न लगाने की समझाइश दी एवं नरवाई प्रबंधन में उपयोगी कृषि यंत्रों भूसा बनाने वाली मशीन स्ट्रारीपर आदि की जानकारी दी एवं कृषकों को बताया कि कम्बाईन हार्वेस्टर से गेहूँ फसल की कटाई उपरांत शेष फसल अवशेष नरवाई का भूसा बनाने वाली मशीन स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर गौशाला में प्रदाय करें। शिवपुरी विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी संदीप कुमार रावत द्वारा तिलहनी फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने की जानकारी कृषकों को दी। कृषि अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम टोंगरा एवं तानपुर का भ्रमण कर फसलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आगामी नेपाल चुनावों के दृष्टिगत 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा द्वारा सीमा पर बढ़ाई चौकसी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के निर्देशानुसार, वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य एवं आगामी नेपाल चुनावों के दृष्टिगत 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में व्यापक एवं सुदृढ़ सुरक्षा प्रबंध लागू किए गए हैं। वाहिनी स्तर पर सभी सीमा चौकियों को सतर्कता बढ़ाने, समन्वित गश्त सुदृढ़ करने तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए सघन गश्त, आकस्मिक नाके, मोबाइल चेक पोस्ट एवं तकनीकी निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। नदी तटीय क्षेत्रों, पगडंडियों, पुल-पुलियों एवं अन्य संवेदनशील मार्गों पर दिन-रात प्रभुत्व स्थापित किया जा रहा है। वाहिनी द्वारा स्थानीय पुलिस, खुफिया एजेंसियों एवं अन्य समन्वयकारी विभागों के साथ सतत समन्वय एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ, तस्करी, जाली मुद्रा प्रचलन अथवा अन्य असामाजिक गतिविधियों को समय रहते रोका जा सके। इसके अतिरिक्त, सीमा से सटे गांवों में सामुदायिक संवाद एवं स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे नागरिक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना समय पर संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध करा सकें। वाहिनी द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि आधिकारिक सूचनाओं एवं मीडिया साझाकरण के दौरान विधिक प्रावधानों एवं गोपनीयता मानकों का पूर्ण अनुपालन हो। 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा सीमा क्षेत्र की सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तत्पर है।

कृषि विभाग का बाबू रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, एंटी करप्शन टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। टीम ने कृषि विभाग के बायू को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोतवाली ले जाया गया जहां गई। जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में कनिष्क निवारण संगठन गोण्डा इकाई की टीम ने 5000 आरोपी बाबू विकास भवन परिसर में स्थित चाय की शिकायत कृषि विभाग के बाबू महेन्द्र प्रताप ने ले रहा था रिश्वत भ्रष्टाचार निवारण संगठन गोण्डा गोण्डा ने आरोपी को पकड़ने की रणनीति तैयार टीम ने आरोपी बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कृषि विभाग में कनिष्ठ सहायक पद पर बाबू ,महेंद्र एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष है व कृषि विभाग में लापरवाही के लिए इन्हें 29 नवंबर 2025 को उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश मिला। आरोपी अपने साथ लेकर गोण्डा चली गई। बताया जाता है

पूछताछ के बाद टीम आरोपी को लेकर गोण्डा चली सहायक पद पर तैनात सुनील कुमार मौर्य को भ्रष्टाचार हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कैन्टीन की दुकान के पास रिश्वत ले रहा था। मामले की थी। वेतन भत्तों का भुगतान कराने की एवज में इकाई ने रंगे हाथ पकड़ा ऐसे में एंटी करप्शन टीम की। सुनियोजित कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन लिया। टीम की ओर से आरोपी बाबू को कोतवाली प्रताप सिंह यूपी एग्रीकल्चर मिनिस्ट्रियल कर्मचारी कनिष्ठ सहायक पद पर तैनात है। विभागीय कार्यों में निलंबित किया गया था। पांच फरवरी 2026 को को पूछताछ के बाद एंटी करप्शन टीम आरोपी को कि आरोपी बाबू वेतन भत्तों का भुगतान कराने के नाम पर पांच हजार रुपये रिश्वत ले रहा था। जिसकी शिकायत पर हुई कार्रवाई जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में तैनात कनिष्क सहायक महेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र उमाशंकर सिंह निवासी कस्बा सैदपुर थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन देवीपाटन मंडल गोण्डा से मामले की शिकायत की थी। आरोप लगाया था कि उसके कार्यालय में तैनात कनिष्क सहायक वेतन भत्तों का भुगतान कराने के एवज में रिश्वत लेते हैं। शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने मामले की जांच शुरू की। शिकायत की गई थी। एंटी करप्शन टीम ने जांच की आरोपी ने रिश्वत के रुपये लिया तभी एंटी करप्शन टीम वहां आ धमकी और आरोपी को रिस्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

श्रावस्ती साइबर पुलिस ने 60 हजार रुपए कराए वापस:UPI ठगी के शिकार पीड़ित को मिली राहत, खाते में लौटी रकम

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती साइबर क्राइम पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पीड़ित के खाते से ठगे गए 60,000 रुपये वापस करा दिए हैं। अज्ञात साइबर ठगों ने यूपीआई के माध्यम से यह धनराशि निकाल ली थी, जिसे पुलिस ने पीड़ित के खाते में सफलतापूर्वक वापस ट्रांसफर करवा दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार और साइबर क्राइम थाना टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर यह धनराशि बरामद की। पीड़ित अकबाल खां, जो पठान पुरवा, उटघनिया, थाना रिसिया, जनपद बहराइच के निवासी हैं, उनके बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने यूपीआई के जरिए 60,000 रुपये की ठगी की थी। इस घटना के बाद पीड़ित ने 20 जनवरी 2026 को साइबर क्राइम पुलिस थाना श्रावस्ती में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही साइबर टीम ने तत्काल तकनीकी जांच शुरू की। बैंकिंग लेनदेन का विवरण खंगाला गया और संबंधित बैंक तथा भुगतान प्लेटफॉर्म से संपर्क कर धनराशि को होल्ड कराया गया। लगातार फॉलोअप और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद, पूरी 60,000 रुपए की रकम पीड़ित के बैंक खाते में वापस जमा करा दी गई। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी साझा करने या अपरिचित यूपीआई अनुरोधों से सावधान रहें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर या निकटतम साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर धनराशि को सुरक्षित किया जा सके। साइबर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से न केवल पीड़ित को न्याय मिला है, बल्कि यह भी प्रदर्शित होता है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस पूरी तरह सक्रिय और सजग है।

पीएम मोदी के इस्त्राइल दौरे पर कांग्रेस का हमला, जयराम रमेश ने कहा- यह नैतिक कायरता

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने पीएम मोदी के इस्त्राइल दौरे की आलोचना करते हुए इसे नैतिक कायरता बताया है। उन्होंने और प्रियंका गांधी ने पीएम से गाजा के पीड़ितों के लिए आवाज उठाने की अपील की है। पीएम इस्त्राइल जाएंगे, जहां वे और द्विपक्षीय संबंधों पर जयराम रमेश ने बुधवार को दौरे से पहले उन पर तीखा इस्त्राइल के प्रधानमंत्री करते हुए कहा कि पीएम कायरता दिखा रहे हैं, जब मोदी 25-26 फरवरी को बेंजामिन नेतन्याहू से मिलेंगे चर्चा करेंगे।कांग्रेस सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्त्राइल हमला बोला है। उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू का जिक्र मोदी ऐसे समय में नैतिक पूरी दुनिया उनके प्यारे दोस्त की आलोचना कर रही है।नेहरू और पुराने दौर की याद दिलाई- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक पोस्ट में रमेश ने फिलिस्तीन के समर्थन में पुरानी सरकारों के कदमों को याद किया। उन्होंने बताया कि 20 मई 1960 को जवाहरलाल नेहरू गाजा गए थे और वहां संयुक्त राष्ट्र की भारतीय टुकड़ी से मिले थे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत ने 29 नवंबर 1981 को फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए एक यादगार डाक टिकट जारी किया था। इसके बाद 18 नवंबर 1988 को भारत ने फिलिस्तीन को औपचारिक रूप से एक देश के तौर पर मान्यता दी थी।रमेश ने लिखा, %वह एक अलग दौर था। अब भारतीय प्रधानमंत्री खुलेआम इस्त्राइल के प्रधानमंत्री को गले लगा रहे हैं। नेतन्याहू ने गाजा को मलबे और धूल में बदल दिया है और वे अवैध बस्तियों को बढ़ाने की साजिश कर रहे हैं। जब पूरी दुनिया नेतन्याहू की बुराई कर रही है, तो मोदी नैतिक रूप से कायरता दिखा रहे होंगे।% प्रियंका गांधी ने की न्याय की मांग- इससे पहले कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पीएम मोदी से एक अपील की। उन्होंने कहा कि जब पीएम इस्त्राइल की संसद (नेसेट) में बोलें तो वे गाजा संघर्ष पर भी बात करें। प्रियंका ने लिखा, %मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी गाजा में मारे गए हजारों बेगुनाह लोगों के नरसंहार का जिक्र करेंगे और उनके लिए न्याय की मांग करेंगे। भारत हमेशा सच्चाई और शांति के लिए खड़ा रहा है।% 25-26 फरवरी को होगा दौरा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 फरवरी को इस्त्राइल के राजकीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा इस्त्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बुलावे पर हो रहा है। यह मोदी का इस्त्राइल का दूसरा दौरा है। इससे पहले 2017 में वे वहां जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इन मुद्दों पर होगी बात- इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी और नेतन्याहू के बीच मुलाकात होगी। दोनों नेता भारत और इस्त्राइल की साझेदारी की समीक्षा करेंगे। वे विज्ञान, तकनीक, रक्षा, सुरक्षा, खेती, पानी के प्रबंधन, व्यापार और अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बात करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। पीएम मोदी इस्त्राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से भी मिलेंगे। इस्त्राइल के पीएम नेतन्याहू ने रविवार को इस दौरे को ऐतिहासिक बताया था। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है।

संक्षिप्त समाचार

इकौना बाईपास पर घंटों लगा भारी जाम:राहगीरों और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती इकौना देहात के बाईपास पर घंटों तक भारी जाम लगा रहा, जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह मार्ग इकौना आने-जाने वाले लोगों के लिए एक प्रमुख रास्ता है। जाम का मुख्य कारण सड़क के किनारे बना अतिक्रमण बताया जा रहा है। इसके अलावा, बाजार के अंदर ई-रिक्शा की अधिकता भी जाम की स्थिति को और गंभीर बना देती है। इस जाम के कारण स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। कई बार उन्हें हल्की-फुल्की चोटें भी लग जाती हैं। दैनिक कार्यों के लिए आने-जाने वाले लोगों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आलमगीर, किसान यूनियन नेता सोम शर्मा, किसान यूनियन नेता विजय कुमार और युवा समाजसेवी सतीश यादव सहित कई लोगों ने इस समस्या पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने शासन-प्रशासन से इस जाम से निजात दिलाने के लिए तत्काल कदम उठाने की गुहार लगाई है।

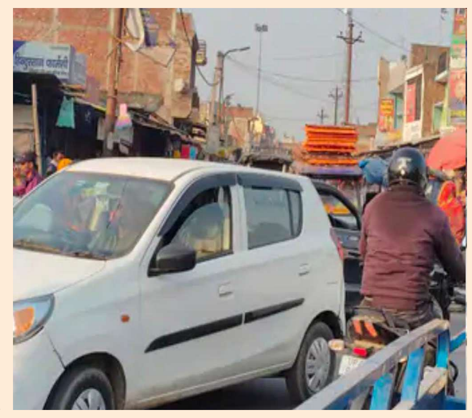

मस्जिद के पुनर्निर्माण पर हंगामा, अभद्रता में दरोगा लाइन हाजिर व सिपाही निलंबित, गांव में पुलिस तैनात

मिलक के गांव निस्वी में पुरानी मस्जिद के पुनर्निर्माण को लेकर दूसरे समुदाय ने विरोध कर दिया। अधिक क्षेत्रफल और मीनार निर्माण पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवा दिया है।मिलक के गांव निस्वी में पुरानी मस्जिद के पुनर्निर्माण पर मंगलवार को दूसरे समुदाय ने सवाल उठाते हुए प्रदर्शन किया। निर्माण के विरोध में कुछ लोग कोतवाली में जुट गए और नारेबाजी के बीच हंगामा किया। एक युवक ने पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाया।इस पर एसपी विद्यासागर मिश्र ने दरोगा सचिन को लाइन हाजिर और कांस्टेबल अंकित कुमार को निलंबित कर दिया। विरोध करने वालों का कहना था कि पहले मस्जिद जितने क्षेत्रफल में थी, अब उससे अधिक जगह में निर्माण किया जा रहा है।गांव में तनाव की स्थिति- साथ ही मीनार भी बनाई जा रही है, जिससे गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने एसडीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अंकित अवस्थी को सौंपकर मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की। कोतवाली में भी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। एहतियातन निर्माण कार्य रुकवाया- हालात देख पुलिस ने एहतियातन निर्माण कार्य रुकवा दिया। गांव में दो पुलिसकर्मी भी तैनात कर दिए गए। इस दौरान बजरंग दल के जिला मंत्री अमृत गौड़ ने कहा कि निर्माण नियमों के तहत ही होना चाहिए। यदि पहले मीनार नहीं थी तो बिना अनुमति उसे नहीं बनाया जाना चाहिए। सिपाही ने मारा थप्पड़- ज्ञापन पर धर्मेंद्र, रामनिवास, रामचंद्र, दुर्जन लाल, बांदू राम, पूरनलाल, अनुज,अरुण, राजेंद्र,राजीव आदि के हस्ताक्षर हैं। दूसरी ओर, ग्राम निस्वी निवासी अरुण मौर्य ने आरोप लगाया कि मंगलवार को वह अपने साथियों के साथ इस मामले की शिकायत दर्ज कराने कोतवाली पहुंचे तो ड्यूटी पर तैनात सिपाही ने उन्हें अंदर बुलाकर बिना किसी कारण थप्पड़ मार दिया और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। एक दरोगा पर भी अपमानजनक भाषा बोलने का आरोप लगाया। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि मिलक में तैनात सिपाही अंकित कुमार को निलंबित कर दिया गया है। दरोगा सचिन को लाइन हाजिर किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। गांव में शांति है।

Cravings will be satiated and weight won't increase: Check out 6 guilt-free replacements for French fries.

6 healthy alternatives to classic French fries. Enjoy fries like sweet potato, carrot, and zucchini. Make these healthy snacks by baking or air-frying. It's common to have your mouth watering at the mere mention of French fries. We all love to eat hot, crispy fries while watching a movie or chatting with friends, but the guilt and fear of weight gain can spoil the whole experience. So, what if we told you that you could satisfy your cravings without having to worry about your weight? Yes, ditch the deep-fried potato fries and incorporate these 6 guilt-free replacements into your diet, which are not only delicious in taste but also great for your health. Baked Sweet Potato Fries: Using sweet potatoes instead of potatoes is a popular and tasty option. Sweet potatoes are rich in fiber and vitamins. Cut them lengthwise, sprinkle with a little olive oil, salt, and paprika, and bake them in the oven or air fryer. Crispy on the outside and slightly sweet on the inside, these fries will make you forget about potato fries. Crispy Carrot Fries: Carrots aren't just for salads or puddings. Cut carrots into thin slices, add a little oil and your favorite spices (like black pepper and garlic powder) and bake them. The natural sweetness of carrots and the spiciness of spices combine to create a flavor that will satisfy your evening hunger in minutes. Crispy Bean Fries: If you're craving something extra crunchy, green beans are great. They're also very low in calories. Simply roast beans with a little oil and salt until they're crispy. Their flavor doubles with any healthy dip. Zucchini Fries: Zucchini is a great option for those trying to lose weight. Cut them into long pieces, coat them in a little oat powder or breadcrumbs and cheese, and bake them. They're crunchy on the outside and soft on the inside. Turnip Fries (Image Source: AI-Generated) You might be surprised to read this, but after baking, turnips have a very similar texture to potatoes. The best part is that turnips have much lower carbohydrates than potatoes. Bake them with your favorite herbs and enjoy them without any fear. Apple Fries (Image Source: AI-Generated) If you're craving something sweet and crispy, try apple fries. For this, cut apples into fries, sprinkle a little cinnamon powder on them, and bake them. This is a great and super-healthy snack that everyone, from kids to adults, will love. Instead of deep-frying these options, always bake them or use an air fryer. This will reduce oil usage and make your snack 100% healthier. The first bite of French fries feels like you've found all the happiness in the world.

Feeling tired the moment you wake up in the morning despite a full night's sleep? Don't ignore it; it could be a sign of high blood sugar.

Feeling tired throughout the day can be a sign of high blood sugar, and shouldn't be ignored. Fatigue, even after a full night's sleep, indicates a lack of energy in the body due to glucose not reaching the cells. Thirst, blurred vision, and weight loss are the main symptoms. Does it happen to you that you get a full 7-8 hours of sleep overnight, but as soon as you wake up, you feel tired again? It feels like you have no energy left in your body throughout the day. We often dismiss this as work stress or hectic schedules, but it can be a major sign of high blood sugar. When the balance of insulin in the body is disrupted, glucose starts accumulating in the blood instead of reaching the cells. This deprives the cells of energy, leading to fatigue. The connection between high blood sugar and fatigue: Hyperglycemia, or high blood sugar, directly affects your energy levels. Lack of energy for cells – glucose provides energy to the body. When glucose cannot enter cells due to a lack of or resistance to insulin, the body feels tired. Dehydration - When sugar levels rise, the kidneys produce more urine to flush out excess sugar. Dehydration occurs when fluids are lost from the body, which causes fatigue. Do not ignore these symptoms at all - If you are experiencing the following symptoms along with fatigue, it is important to see a doctor: Frequent thirst and urination - Feeling more thirsty than usual or going to the bathroom frequently is the most classic symptom of high sugar. Blurred vision - High sugar can affect the shape of the eye's lens, making things difficult to see clearly. Slow wound healing - If a minor injury or scratch takes weeks to heal, it is a sign of high sugar levels. Sudden weight loss - If weight is rapidly decreasing without any diet or exercise, the body starts burning muscle and fat for energy. Tingling in hands and feet- Numbness in the feet or feeling like ants crawling due to sugar on the nerves. What to do when you feel constantly tired? Get blood sugar tested- Get HbA1C and fasting sugar checked at home with a glucometer or by going to the lab. Stay hydrated- Drink plenty of water throughout the day, so that toxins can be flushed out from the body. Stay active- Take a 5 minute walk break after every 45 minutes of work. Light physical activity improves insulin sensitivity. Dietary changes- Immediately remove refined flour, sugar and sweet things from your diet. Eat food rich in protein and fiber.

Is Gen Z afraid of marriage? A Psychiatrist Decodes 'Commitment Phobia'

According to psychiatrist Dr. Pavitra Shankar, Gen Z hasn't turned away from love, but rather, their perspective on relationships has changed. Career pressures and lack of stability are driving young people to become more practical. Emotional maturity is the key to strong relationships. The question often arises: has today's new generation, or 'Gen Z,' completely lost faith in love? According to Dr. Pavitra Shankar, Associate Consultant - Psychiatry at Aakash Healthcare, this thinking is completely incorrect. The truth is, this generation hasn't turned away from love, but rather, their perspective on relationships has completely changed. Why have today's youth become so practical? - Today's generation has become more practical instead of being emotionally swayed. There are several important reasons behind this (Why Gen Z Avoids Marriage). They explained that the increasing influence of social media, the immense pressure to build a career, financial instability, and a growing sense of insecurity in relationships have changed their way of thinking. This is why they think deeply before entering into any relationship. Marriage is no longer just a "social responsibility" - When it comes to marriage, Gen Z no longer wants to simply consider it a social obligation. For them, mental and emotional compatibility with a partner is of paramount importance. Today's youth are postponing major decisions like marriage because they want to understand themselves thoroughly first. They want complete stability in their lives and careers. Bitter experiences and fear of commitment - Furthermore, repeated breakups and bitter experiences of toxic relationships have instilled a deep fear of commitment in this generation. This fear makes them reluctant to commit to anyone. The Mantra for a Strong Relationship - Dr. Pavitra Shankar believes that despite this fear and confusion, strong relationships can be built. To achieve this, it's crucial to keep a few things in mind: clear and honest communication, emotional maturity, and having expectations from each other that can be met in real life. This is the key to a successful and strong relationship.

Changed religion for acting, debuted with Dharmendra, this actress is making a comeback in Anil Kapoor's film

A famous actress, who has appeared in 200 films in the film industry, changed her religion for acting. Now, this actress is making a comeback in Anil Kapoor's upcoming film, Subedar.

Having ruled the film industry for four decades and debuted in Dharmendra's film, this actress is now making a comeback. The return of stars to the film industry is always a topic of discussion. Now, an actress who changed her religion for her career is returning to the world of acting. This actress, who entered Hindi cinema with the late actor Dharmendra, remained active in the film industry for over four decades. Now, this actress is making a comeback in Anil Kapoor's upcoming OTT film, Subedar. Let's find out which actress is being mentioned here. Actress's return to cinema - The actress being discussed in this article entered Bollywood as a child artist in Dharmendra's film The Burning Train. Prior to this, she had made her acting debut in South Indian cinema. She subsequently showcased her acting prowess in leading roles in South Indian and Hindi cinema. That actress is none other than Khushbu Sundar. Khushbu Sundar is set to make her Bollywood debut with the film Subedar. In this movie, Khushbu will play the role of actor Anil Kapoor's wife. Subedar will be streamed online on the OTT platform Amazon Prime Video on March 5, 2026. Changed religion for acting: Khushbu Sundar was born on September 29, 1970, into a Muslim family in Mumbai. Her real name is Nakhat Khan. To establish her identity in cinema, Khushbu changed her religion and converted from Muslim to Hindu. She is now known as Baby Khushbu. Khushbu Sundar was offered a role in director and actor Raj Kapoor's cult film, Ram Teri Ganga Maili. The actress even did a photoshoot for the film. However, due to her 14 years younger age, actress Mandakini was cast in the film instead. Khushbu Sundar revealed this during an interview with Vicky Lalwani's YouTube channel.

"Then Dilip Kumar wouldn't have been a superstar," a musician hits back at AR Rahman's comment on religious discrimination.

Some time ago, musician and singer AR Rahman made a statement about religious discrimination in the film industry, which sparked considerable controversy. Now, a famous musician has

expressed his opinion on the matter. AR Rahman's controversial statement in the news: He spoke about religious discrimination in the industry. This musician reminded everyone of Dilip Kumar's name. Oscar and Grammy Award-winning musician and singer AR Rahman needs no introduction. In the past, Rahman's name has been embroiled in controversy over his comments on religious discrimination in the industry, and the singer has been heavily criticized. Now, musician Ismail Darbar has broken his silence on this issue and has hit back at Rahman's statement. Darbar mentioned legendary actor Dilip Kumar. Let's find out what Ismail said. Ismail Darbar's statement: Music director Ismail Darbar is well-known for his outspoken style. Recently, Darbar gave an interview to Subhojit Ghosh's YouTube channel, responding to AR Rahman's communal statement, saying, "If the industry were truly communal, no Muslim would have ever become a superstar in Hindi cinema. There would have been no Ismail Darbar, Naushad, or Dilip Kumar. If that were the case, they wouldn't have become stars. It all depends on talent and luck." Regarding Dilip Kumar, his real name was Mohammad Yusuf Khan, but he established himself as Dilip Kumar in the film industry, and even today, he is remembered as one of the industry's biggest superstars. What was AR Rahman's statement? In his statement, AR Rahman stated that he had been unable to find work due to religious discrimination in the film industry. He had struggled to find work for the past decade. However, the musician later realized his mistake and apologized on social media. Rahman faced criticism from many celebrities in the film industry for this statement, and now Ismail Darbar's name has also been added to it.

BAFTA embroiled in controversy, racist comments made against actors, apology issued

The BAFTA Awards were held on Tuesday. A controversy emerged during the ceremony, involving two Hollywood actors facing racist comments. BAFTA has now apologized for this. This

led to the controversy at BAFTA: Racist comments made against two actors. BAFTA has now apologized. The 79th BAFTA Awards were held in London on February 22nd. This film awards ceremony featured a global multitude of film stars. However, this year's BAFTA Awards have become the subject of discussion, sparking a major controversy, with the British Academy of Film and Television Arts issuing an apology. The matter relates to racist comments made against Sinners movie stars Michael B. Jordan and Delroy Lindo, which have sparked controversy. What is the full controversy? Sinners movie star Michael B. Jordan... Jordan and Delroy Lindo appeared as award presenters at the 2026 BAFTA Awards. As the two actors took the stage to announce the winner of the Best Visual Effects category, Scottish Tourette's activist John Davidson shouted a racist slur against them, sparking the controversy. According to The Hollywood Reporter, BAFTA issued an apology, stating, "During the 79th BAFTA Awards, our guest heard offensive language that hurt many people. We acknowledge this mistake and apologize for any missteps." Clarifying their concerns, BAFTA stated, "Our guest, John Davidson, suffers from Tourette's syndrome, a serious condition that causes a person to lose control of their voice and can speak out of thin air. We were informed in advance about John's condition. We take the security of all our guests very seriously." In this way, BAFTA has given a complete clarification on the controversy surrounding the racist comments made against Michael B. Jordan and Delroy Lindo. This movie dominated the BAFTA Awards 2026. The film that dominated the BAFTA Awards was Oscar-winning actor Leonardo DiCaprio starrer movie One Battle After Another. This political action thriller won in six different categories at the 79th BAFTA Awards.